

~~28/03/18 पत्रावली फेर हई वकिल वाडि
 उपस्थित। वकिल वाडि में अवगत
 हुआ कि वाडि प्रां पत्र
 को छागे जहि चलाना
 चाहते है। बता, पत्रावली
 ट्राप की जाने का काम परमाण्व
 मत। प्रां पत्र Note वि०८८८ में
 छागे जहि चलाने के कारण
 खारिज किया जाता है। पत्रावली
 जिसल सुमार मानी जाकर बाद
 वकिल नम्बर से कम होकर
 विरिक्त होकर है।~~

✓

✓